Daily Current Affairs
09 June 2025

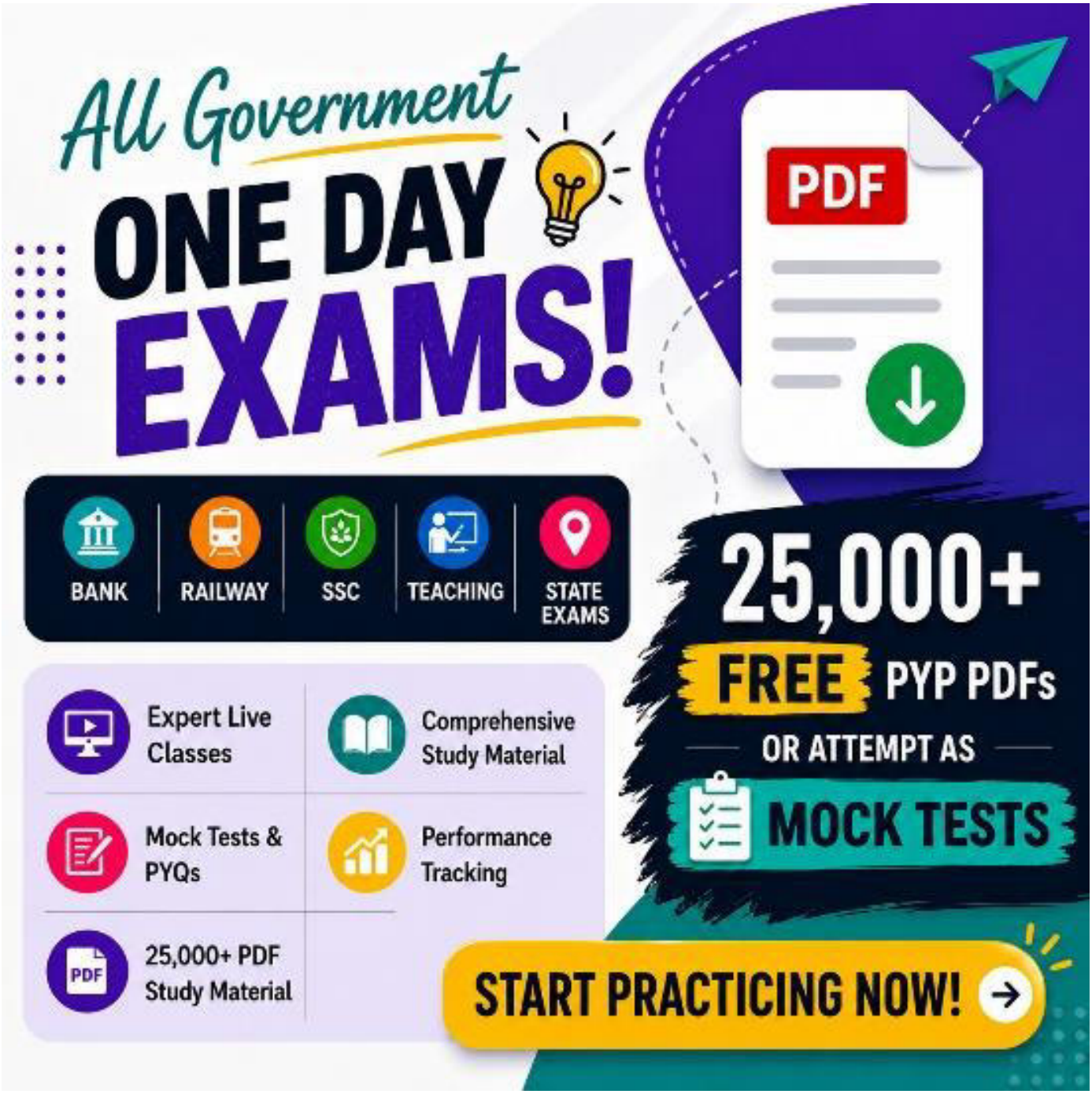

Daily Current Affairs Quiz 09 June 2026

Q1. भारत हाल ही में एंथ्रोपिक पीबीसी (Anthropic PBC) के नेतृत्व वाली किस वैश्विक साइबर सुरक्षा पहल में शामिल हुआ, जिससे उसे उन्नत एआई मॉडल "क्लाउड माइथोस" (Claude Mythos) तक पहुंच प्राप्त हुई?
(a) प्रोजेक्ट सेंटिनल
(b) प्रोजेक्ट ग्लासविंग
(c) प्रोजेक्ट साइबरशील्ड
(d) प्रोजेक्ट फायरवॉल
Ans.(b)
Sol. सही उत्तर (b) प्रोजेक्ट ग्लासविंग है
व्याख्या:
जून 2026 में, भारत एंथ्रोपिक पीबीसी के नेतृत्व वाली वैश्विक साइबर सुरक्षा पहल, प्रोजेक्ट ग्लासविंग में शामिल हुआ।
इस पहल के माध्यम से, भारत को साइबर सुरक्षा पर केंद्रित एक उन्नत एआई मॉडल, क्लाउड माइथोस एआई तक पहुंच प्राप्त हुई।
इस परियोजना का उद्देश्य साइबर लचीलेपन को मजबूत करना और महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे की रक्षा करना है।
क्लाउड माइथोस बड़े सॉफ्टवेयर कोडबेस का विश्लेषण कर सकता है और सुरक्षा कमजोरियों की पहचान कर सकता है।
यह उपचारात्मक पैच उत्पन्न कर सकता है और उन खामियों का पता लगा सकता है जिन्हें पारंपरिक सुरक्षा उपकरणों द्वारा अनदेखा किया जा सकता है।
Information Booster:
क्लाउड माइथोस एक एआई-संचालित सुरक्षा ऑडिटर है जिसे बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर कमजोरियों को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
भाग लेने वाले देशों में भारत, यूएसए, यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, जर्मनी, इटली और नाटो (NATO) और ENISA जैसे कई अन्य राष्ट्र और संगठन शामिल हैं।
अतिरिक्त ज्ञान:
प्रोजेक्ट सेंटिनल (विकल्प a)
2026 में घोषित एंथ्रोपिक की साइबर सुरक्षा साझेदारी के साथ ऐसी कोई पहल जुड़ी नहीं है।
यह क्लाउड माइथोस एआई से जुड़ा नहीं है।
प्रोजेक्ट साइबरशील्ड (विकल्प c)
यह एंथ्रोपिक के नेतृत्व वाली वैश्विक साइबर सुरक्षा पहल का नाम नहीं है।
यह कार्यक्रम में भारत की भागीदारी से असंबंधित है।
प्रोजेक्ट फायरवॉल (विकल्प d)
फायरवॉल एक सामान्य साइबर सुरक्षा शब्द है लेकिन यह वह पहल नहीं है जिसमें भारत शामिल हुआ है।
इसका क्लाउड माइथोस एआई के साथ कोई संबंध नहीं है।

Q2. जून 2026 में शुरू किए गए इंडिया–यूके क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी (GSCO) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. GSCO एक संयुक्त इंडिया–यूके पहल है जिसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, उन्नत विनिर्माण और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग को मजबूत करना है।
2. ऑब्जर्वेटरी का नेतृत्व संयुक्त रूप से आईआईटी (आईएसएम) धनबाद स्थित टेक्नोलॉजी इनोवेशन इन एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग फाउंडेशन (TEXMiN) और यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज द्वारा किया जा रहा है।
3. TEXMiN विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के अंतर्गत एक टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क (TTRP) के रूप में कार्य करता है।

4. GSCO के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों के एकल स्रोत पर विशेष निर्भरता को बढ़ावा देना है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 1 और 4

(c) केवल 2, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

Ans.(a)

Sol. सही उत्तर (a) केवल 1, 2 और 3 है

व्याख्या:

• कथन 1 – सही। इंडिया–यूके GSCO को स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, उन्नत विनिर्माण और उभरती प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने वाले महत्वपूर्ण खनिजों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया था।

• कथन 2 – सही। ऑब्जर्वेटरी आईआईटी (आईएसएम) धनबाद स्थित TEXMiN और यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज द्वारा नेतृत्व किया जाने वाला एक संयुक्त मंच है।

• कथन 3 – सही। TEXMiN विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत एक टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क (TTRP) है।

• कथन 4 – गलत। इसका उद्देश्य लचीली, सुरक्षित और विविध खनिज मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण करना है, न कि महत्वपूर्ण खनिजों के एकल स्रोत पर निर्भरता।

Information Booster:

• महत्वपूर्ण खनिज नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, बैटरियों, सेमीकंडक्टरों, एयरोस्पेस प्रणालियों और रणनीतिक उद्योगों के लिए आवश्यक हैं।

• GSCO का उद्देश्य आपूर्ति-श्रृंखला इंटेलिजेंस को बढ़ाना और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करना है।

• यह पहल रणनीतिक खनिज सुरक्षा और सतत औद्योगिक विकास में बढ़ते इंडिया–यूके सहयोग को दर्शाती है।

• आईआईटी (आईएसएम) धनबाद भारत में खनन, खनिज अन्वेषण और संसाधन प्रौद्योगिकी अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरा है।

Q3. पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के तहत ग्राहक पंजीकरण को सरल बनाने के लिए जून 2026 में कौन सा डिजिटल ऑनबोर्डिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया?

(a) e-NPS कनेक्ट

(b) StAR NPS

(c) NPS डिजिटल गेटवे

(d) पेंशन मित्र पोर्टल

Ans.(b)

Sol. सही उत्तर (b) StAR NPS है

व्याख्या:

जून 2026 में, PFRDA ने NPS ग्राहकों के लिए ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और सरल बनाने के लिए StAR NPS प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।

यह प्लेटफॉर्म बीएसई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (BTPL) द्वारा विकसित किया गया था।

यह पॉइंट्स ऑफ प्रेजेंस (PoPs) और उनके पेंशन एजेंट नेटवर्क के माध्यम से प्रौद्योगिकी-सक्षम सहायता प्राप्त ऑनबोर्डिंग प्रदान करता है।
इस पहल का उद्देश्य पेंशन क्षेत्र में पहुंच, दक्षता और डिजिटल अपनाने में सुधार करना है।
18 वर्ष और उससे अधिक तथा 85 वर्ष तक के निवासी भारतीय नागरिक नए ढांचे के तहत पात्र हैं।
Information Booster:
PFRDA ने 2 जून 2026 से प्रभावी एक नियामक सैंडबॉक्स फ्रेमवर्क भी पेश किया।
यह फ्रेमवर्क व्यापक रूप से अपनाने से पहले अभिनव पेंशन-क्षेत्र समाधानों के नियंत्रित परीक्षण को सक्षम बनाता है।
अतिरिक्त ज्ञान:
e-NPS कनेक्ट (विकल्प a)
यह PFRDA द्वारा जून 2026 में लॉन्च किया गया प्लेटफॉर्म नहीं है।
यह StAR NPS ऑनबोर्डिंग पहल से जुड़ा नहीं है।
NPS डिजिटल गेटवे (विकल्प c)
जून 2026 में NPS ऑनबोर्डिंग के लिए PFRDA द्वारा ऐसा कोई प्लेटफॉर्म लॉन्च नहीं किया गया था।
यह एक भ्रामक विकल्प है।
पेंशन मित्र पोर्टल (विकल्प d)
यह नए लॉन्च किए गए डिजिटल ऑनबोर्डिंग प्लेटफॉर्म का नाम नहीं है।
PFRDA द्वारा लॉन्च किया गया आधिकारिक प्लेटफॉर्म StAR NPS है।

Q4. अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF), जिसने हाल ही में अनुसंधान और नवाचार को मजबूत करने के लिए ANRF-समर्थित पोर्टल की घोषणा की, किस अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था?
(a) नेशनल इनोवेशन एक्ट, 2022
(b) साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एक्ट, 2021
(c) ANRF एक्ट, 2023
(d) रिसर्च प्रमोशन एक्ट, 2024
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (c) ANRF एक्ट, 2023 है
व्याख्या:
अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (ANRF) की स्थापना ANRF अधिनियम, 2023 के तहत की गई थी।
ANRF अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत की शीर्ष अनुसंधान वित्तपोषण संस्था के रूप में कार्य करता है।
यह शिक्षा जगत, अनुसंधान संस्थानों, उद्योग और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग का समर्थन करता है।
जून 2026 में, अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक ANRF-समर्थित डिजिटल पोर्टल की घोषणा की गई।
इस पोर्टल का उद्देश्य पेटेंट फाइलिंग, वैज्ञानिक लेखन, प्रकाशन और बौद्धिक संपदा संरक्षण में प्रशिक्षण प्रदान करना है।
Information Booster:
ANRF की अध्यक्षता भारत के प्रधानमंत्री करते हैं।
यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा प्रशासित है।
अतिरिक्त ज्ञान:

नेशनल इनोवेशन एक्ट, 2022 (विकल्प a)
ANRF की स्थापना इस अधिनियम के तहत नहीं हुई थी।
यह भारत की शीर्ष अनुसंधान वित्तपोषण संस्था के निर्माण से संबंधित नहीं है।
साइंस एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एक्ट, 2021 (विकल्प b)
ANRF इस अधिनियम के तहत गठित नहीं किया गया था।
फाउंडेशन की स्थापना विशेष रूप से ANRF अधिनियम, 2023 के माध्यम से की गई थी।
रिसर्च प्रमोशन एक्ट, 2024 (विकल्प d)
यह वह कानून नहीं है जिसके तहत ANRF का निर्माण किया गया था।
ANRF 2024 से पहले ही एक अलग अधिनियम के तहत स्थापित किया जा चुका था।

Q5. जून 2026 में मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक (ED) के रूप में किसे नियुक्त किया गया?
(a) तरुण कपूर
(b) परमेश्वरन अय्यर
(c) नीलकंठ मिश्रा
(d) राजीव कुमार
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (c) नीलकंठ मिश्रा है
व्याख्या:
जून 2026 में, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) ने विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक के रूप में नीलकंठ मिश्रा की नियुक्ति को मंजूरी दी।
उन्हें तीन साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया था।
वह परमेश्वरन अय्यर का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल तब तक के लिए बढ़ाया गया था जब तक कि नया नियुक्त व्यक्ति पदभार ग्रहण नहीं कर लेता।
नीलकंठ मिश्रा वर्तमान में एक्सिस बैंक में मुख्य अर्थशास्त्री और एक्सिस कैपिटल में ग्लोबल रिसर्च एंड होल-टाइम डायरेक्टर के प्रमुख हैं।
2023 में एक्सिस ग्रुप में शामिल होने से पहले, उन्होंने क्रेडिट सुइस में लगभग दो दशक बिताए, जहां उन्होंने एशिया प्रशांत रणनीति और भारत रणनीतिकार के सह-प्रमुख के रूप में कार्य किया।
Information Booster:
मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (ACC) की अध्यक्षता भारत के प्रधानमंत्री करते हैं।
विश्व बैंक एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है जो सदस्य देशों में विकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है।
अतिरिक्त ज्ञान:
तरुण कपूर (विकल्प a)
तरुण कपूर को पीएमओ में प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में एक साल का विस्तार मिला।
उन्हें विश्व बैंक का कार्यकारी निदेशक नियुक्त नहीं किया गया था।
परमेश्वरन अय्यर (विकल्प b)
वह विश्व बैंक के निवर्तमान कार्यकारी निदेशक हैं।

उनका कार्यकाल 19 जून 2026 से आगे तब तक बढ़ाया गया जब तक कि उनका उत्तराधिकारी पदभार ग्रहण नहीं कर लेता। वह उत्तर प्रदेश कैडर के 1981 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं।

राजीव कुमार (विकल्प d)

राजीव कुमार एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष हैं।

उन्हें जून 2026 में विश्व बैंक का कार्यकारी निदेशक नियुक्त नहीं किया गया था।

Q6. जून 2026 में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) द्वारा अनुमोदित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सभी चार स्वीकृत राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं विशेष रूप से हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) के तहत कार्यान्वित करने का प्रस्ताव है।

2. ओडिशा परियोजना में रामेश्वर और पारादीप को जोड़ने वाले एक नए तटीय राजमार्ग का विकास शामिल है और यह स्वीकृत चार परियोजनाओं में सबसे महंगी है।

3. तेलंगाना परियोजना में NH-63 और NH-563 के खंडों को चार-लेन मानकों तक चौड़ा करना शामिल है और इसे HAM और BOT (टोल) मोड के संयोजन के माध्यम से कार्यान्वित करने का प्रस्ताव है।

4. बिहार परियोजना में पूर्णिया शहर के लिए एक ग्रीनफील्ड बाईपास का निर्माण शामिल है और इसे BOT (टोल) मॉडल के तहत विकसित करने का प्रस्ताव है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन से सही हैं?

(a) केवल 2, 3 और 4

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) केवल 2 और 4

Ans.(a)

Sol. सही उत्तर (a) केवल 2, 3 और 4 है

व्याख्या:

• कथन 1 – गलत। सभी परियोजनाएं विशेष रूप से HAM के तहत कार्यान्वित नहीं की जा रही हैं। जबकि ओडिशा और मध्य प्रदेश परियोजनाएं HAM के तहत हैं, तेलंगाना परियोजना HAM और BOT (टोल) के संयोजन का उपयोग करती है, जबकि बिहार परियोजना BOT (टोल) के तहत है।

• कथन 2 – सही। ओडिशा तटीय राजमार्ग परियोजना (रामेश्वर–पारादीप) की अनुमानित लागत 8,300.79 करोड़ रुपये है, जो इसे स्वीकृत चार परियोजनाओं में सबसे महंगी बनाती है।

• कथन 3 – सही। तेलंगाना परियोजना NH-63 और NH-563 के खंडों को कवर करती है और इसे HAM और BOT (टोल) मोड के संयोजन के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।

• कथन 4 – सही। बिहार परियोजना में खगड़िया–पूर्णिया खंड का उन्नयन शामिल है और इसमें BOT (टोल) मॉडल के तहत पूर्णिया शहर के लिए 6.729 किलोमीटर का ग्रीनफील्ड बाईपास शामिल है।

सूचना बूस्टर:

• चार परियोजनाओं में कुल 24,249 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है और ये 700 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को कवर करती हैं।

• परियोजनाएं ओडिशा, तेलंगाना, बिहार और मध्य प्रदेश में फैली हुई हैं।
• वे लॉजिस्टिक्स दक्षता और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप हैं।
• भीड़भाड़ को कम करने और यात्रा दक्षता में सुधार के लिए खरगोन जिले (मध्य प्रदेश) और पूर्णिया शहर (बिहार) दोनों में ग्रीनफील्ड बाईपास प्रस्तावित किए गए हैं।

Q7. इंटरनेशनल लेवल क्रॉसिंग अवेयरनेस डे (ILCAD) 2026 का नारा क्या था?
(a) सेफ्टी एट एवरी क्रॉसिंग
(b) अलर्ट टुडे, सेफ टुमारो
(c) स्टॉप, लुक एंड लिसन
(d) रेल सेफ्टी फॉर ऑल
Ans.(b)
Sol. सही उत्तर (b) अलर्ट टुडे, सेफ टुमारो है
व्याख्या:
इंटरनेशनल लेवल क्रॉसिंग अवेयरनेस डे (ILCAD) 2026 का नारा "अलर्ट टुडे, सेफ टुमारो" (आज सतर्क, सुरक्षित कल) था।
इस दिवस का उद्देश्य लेवल क्रॉसिंग से जुड़े खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।
यह उन जगहों पर सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा देता है जहां सड़कें रेलवे पटरियों को काटती हैं।
यह अभियान दुनिया भर में रेलवे क्रॉसिंग पर दुर्घटनाओं और मौतों को कम करने का प्रयास करता है।
ILCAD प्रतिवर्ष 5 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है।
Information Booster:
ILCAD एक अंतरराष्ट्रीय रेलवे सुरक्षा जागरूकता पहल है।
यह दिन लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा में सुधार के लिए रेलवे अधिकारियों, सरकारों और सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

Q8. सुभाष सी. कश्यप, जिनका जून 2026 में निधन हो गया, मुख्य रूप से किन लोकसभाओं के महासचिव के रूप में जाने जाते हैं?
(a) 5वीं, 6वीं और 7वीं लोकसभा
(b) 6वीं, 7वीं और 8वीं लोकसभा
(c) 7वीं, 8वीं और 9वीं लोकसभा
(d) 8वीं, 9वीं और 10वीं लोकसभा
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (c) 7वीं, 8वीं और 9वीं लोकसभा है
व्याख्या:
सुभाष सी. कश्यप ने 1983 से 1990 तक 7वीं, 8वीं और 9वीं लोकसभा के महासचिव के रूप में कार्य किया।
वह 1953 में संसद सचिवालय में शामिल हुए थे और उनका संसद के साथ साढ़े तीन दशकों से अधिक का संबंध था।
वह भारत के अग्रणी संवैधानिक विशेषज्ञों और संसदीय विद्वानों में से एक थे।
उन्होंने संविधान, संसदीय प्रक्रियाओं और राजनीतिक संस्थानों पर 100 से अधिक पुस्तकें लिखीं।
उनका जून 2026 में नई दिल्ली में 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

Information Booster:
2015 में, भारत सरकार ने सुभाष सी. कश्यप को लोक मामलों के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया।
उन्होंने 2000 से 2002 तक संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग (NCRWC) के मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

Q9. जून 2026 में भारत की पहली यात्री फ्लेक्स-फ्यूल वाहन (FFV) के रूप में कौन सी गाड़ी लॉन्च की गई, जो E20 से E100 तक इथेनॉल-पेट्रोल मिश्रण पर चलने में सक्षम है?
(a) टाटा टियागो फ्लेक्स
(b) हुंडई ग्रैंड i10 फ्लेक्स
(c) मारुति सुजुकी वैगन आर
(d) महिंद्रा XUV 3XO फ्लेक्स
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (c) मारुति सुजुकी वैगन आर है
व्याख्या:
जून 2026 में, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत की पहली यात्री फ्लेक्स-फ्यूल वाहन (FFV), मारुति सुजुकी वैगन आर लॉन्च की।
यह वाहन E20 से E100 तक के इथेनॉल-पेट्रोल मिश्रण पर चल सकता है।
यह एक उन्नत इंजन कंट्रोल यूनिट (ECU) से लैस है जो स्वचालित रूप से अलग-अलग इथेनॉल सांद्रता के अनुसार समायोजित हो जाता है।
वाहन में संशोधित ईंधन-प्रणाली घटक, अनुकूलित इंजेक्शन मैपिंग और कोल्ड-स्टार्ट सिस्टम की सुविधा है।
यह लॉन्च इथेनॉल-आधारित मोबिलिटी को बढ़ावा देने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के भारत के प्रयासों का समर्थन करता है।
Information Booster:
भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) विनिर्देशों के तहत फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए E85 को मोनो-फ्यूल मानक के रूप में नामित किया गया है।
नीति आयोग इथेनॉल-आधारित FFVs को उनके नगण्य पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जन के कारण शून्य-उत्सर्जन वाहन (ZEV) के रूप में वर्गीकृत करता है।

Q10. जून 2026 में ओपन मार्केट ट्रांजैक्शन के माध्यम से लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में 3.25% हिस्सेदारी की बिक्री के बाद, कंपनी में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी घटकर कितनी हो गई:
(a) 13.13%
(b) 11.50%
(c) 9.88%
(d) 7.25%
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (c) 9.88% है
व्याख्या:
जून 2026 में, सॉफ्टबैंक ग्रुप ने सॉफ्टबैंक विजन फंड II के माध्यम से ओपन मार्केट ट्रांजैक्शन के जरिए लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में 3.25% हिस्सेदारी बेची।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर कुल 5.65 करोड़ शेयर बेचे गए।
शेयर 508.55 रुपये प्रति शेयर की औसत कीमत पर बेचे गए।
यह सौदा लगभग 2,873.30 करोड़ रुपये का था।
बिक्री के बाद, लेंसकार्ट में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी 13.13% से घटकर 9.88% हो गई।
Information Booster:
लेंसकार्ट भारत की अग्रणी आईवियर और विजन-केयर कंपनियों में से एक है।
इस सौदे ने सॉफ्टबैंक के लिए लगभग 7 गुना रिटर्न उत्पन्न किया, जो इसे भारत में इसके सबसे सफल निवेशों में से एक बनाता है।